Inspira- Journal of Modern Management & Entrepreneurship (JMME)
ISSN : 2231–167X, General Impact Factor : 2.5442, Volume 08, No. 02, April, 2018, pp. 469-473

राजस्थान के माध्यमिक विद्यालयों की अनुसूचित जाति–जनजाति वर्ग की प्रधानाध्यापिकाओं एवं अध्यापिकाओं की निर्णय प्रक्रिया का विद्यालयी वातावरण पर प्रभाव का अध्ययन

डॉ. रितु कन्छल*

अध्ययन का औचित्य

मानव जीवन को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए सामाजिक, आर्थिक एवं अन्य स्तरों पर विभिन्न प्रशासनिक इकाईयां कार्य करती है, जैसे–पुलिस, राजस्व, वित्त, उद्योग, व्यापार, स्वास्थ्य एवं शिक्षा आदि। इन प्रशासनिक इकाईयों द्वारा सम्पादित किए गये कार्यों की दक्षता पर ही सुव्यवस्थित व्यवस्था निर्भर करती है। इन इकाईयों के व्यवस्थापन का भार किसी न किसी व्यक्ति को सौंपा जाता है, इस व्यक्ति की दक्षता इस बात पर आधारित होती है कि वह किस सीमा तक उचित व सकारात्मक निर्णय लेता है।

निर्णय लेने का तात्पर्य किसी एक परिणाम पर पहुंचना है। अर्थात् निर्णय की आवश्यकता वही होती है, जहां एक से अधिक विकल्प हो। इस प्रकार सर्वोत्तम वैकल्पिक मार्ग का चयन ही सामान्य शब्दों में निर्णय कहलाता है। निर्णयन की महत्ता को देखते हुए ये कहा जा सकता है कि निर्णय 'प्रशासन का हृदय है अर्थात् प्रबन्धकों का जीवन ही निर्णय लेना है। निर्णय लेना जितना सरल, दूसरों को प्रतीत होता है, उसमें कहीं अधिक जटिल तथा भारी निर्णयकर्ता को लगता है।

शैक्षिक संगठन का संचालन व्यक्तियों द्वारा होता है, जिसमें मानवीय व्यवहार गतिशील होता है। यह परिस्थितियों के अनुसार बदलता रहता है। अतः मानव से श्रेष्ठतम काम कराने तथा साधनों का सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए निर्णय लेने पडते है। ऐसे निर्णयों के लिए सामान्य आधार भी होना चाहिए, ताकि लिए जाने वाले निर्णय व्यवहारिक हो। शैक्षिक प्रशासन के इतिहास में मुख्यतः तीन प्रकार की निर्णय शैलियों का वर्णन मिलता है, परन्तु गत वर्षों में हुए अनुसंधान में दो ओर निर्णय शैलियों का पता लगा है, इस प्रकार कुल पाँच प्रकार की निर्णय शैलियाँ प्रचलन में हैः

- जनतांत्रिक निर्णय शैली
- अधिकारिक निर्णय शैली
- अहस्तक्षेपीय निर्णय शैली
- मध्यवर्तीय निर्णय शैली
- छद्म जनतांत्रिक निर्णय शैली

शैक्षिक प्रशासन के अन्तर्गत इन पांचों निर्णय शैलियों का प्रयोग प्रशासनिक प्रमुख अर्थात् प्रधानाध्यापक विद्यालय के वातावरण की उपयुक्तता को बनाए रखने के लिए करता है। शिक्षा विषय के साथ–साथ अनुसूचित जातियों व जनजातियों का आर्थिक रूप से, सामाजिक रूप से और राजनैतिक रूप से सशक्तिकरण राष्ट्रीय विकास एजेण्डा पर प्राथमिकता पर रहा है, क्योंकि ये जातियां अपने सामाजिक, आर्थिक पिछडेपन के कारण शेष समाज से पिछडी हुई है।

इस राष्ट्रीय एजेण्डा के तहत अनुसूचित जाति तथा जनजाति की प्रधानाध्यापिकाएं एवं अध्यापिकाएं विद्यालय वातावरण निर्माण के लिए कौन–कौन सी निर्णय शैलियों को प्रयोग करती है, यही इस अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य रहा है।

अध्ययन के उद्देश्य

- जयपुर संभाग के माध्यमिक विद्यालयों की अनुसूचित जाति–जनजाति वर्ग की प्रधानाध्यापिकाओं एवं अध्यापिकाओं की जनतांत्रिक निर्णय शैली का विद्यालयी वातावरण पर प्रभाव का अध्ययन करना।

* प्राचार्या, यूनिवर्स टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, बगरू, जयपुर, राजस्थान।

- जयपुर संभाग के माध्यमिक विद्यालयों की अनुसूचित जाति–जनजाति वर्ग की प्रधानाध्यापिकाओं एवं अध्यापिकाओं की अधिकारिक निर्णय शैली का विद्यालयी वातावरण पर प्रभाव का अध्ययन करना।
- जयपुर संभाग के माध्यमिक विद्यालयों की अनुसूचित जाति–जनजाति वर्ग की प्रधानाध्यापिकाओं एवं अध्यापिकाओं की अहस्तक्षेपीय निर्णय शैली का विद्यालयी वातावरण पर प्रभाव का अध्ययन करना।
- जयपुर संभाग के माध्यमिक विद्यालयों की अनुसूचित जाति–जनजाति वर्ग की प्रधानाध्यापिकाओं एवं अध्यापिकाओं की मध्यवर्तीय निर्णय शैली का विद्यालयी वातावरण पर प्रभाव का अध्ययन करना।
- जयपुर संभाग के माध्यमिक विद्यालयों की अनुसूचित जाति–जनजाति वर्ग की प्रधानाध्यापिकाओं एवं अध्यापिकाओं की छद्म जनतांत्रिक निर्णय शैली का विद्यालयी वातावरण पर प्रभाव का अध्ययन करना।

न्यादर्श

- **न्यादर्श को एकत्रित करने की विधिः** इस अध्ययन में यादृच्छ न्यादर्श विधि के साथ–साथ उसकी उप पद्धति स्तरित न्यादर्श पद्धति, सौ उद्देश्य न्यादर्श ग्रहण पद्धति तथा गुच्छ न्यादर्श ग्रहण पद्धति को अपने अनुसंधान कार्य हेतु प्रयोग किया है।
- **न्यादर्शः** सर्वप्रथम राजस्थान के कुल संभागों में से गुच्छ न्यादर्श के आधार पर अध्ययन के लिए जयपुर संभाग का चयन किया गया फिर जयपुर संभाग के समस्त जिलों की सूची बनाई तथा बाद में प्रत्येक जिलों में से स्तरित न्यादर्श द्वारा प्रधानाध्यापिकाओं एवं अध्यापिकाओं का चयन किया गया।

जयपुर संभाग में अध्ययन के लिए पाँच जिलों को न्यादर्श में शामिल किया गया। जो कि जयपुर, अलवर, सीकर, झुंझुनू एवं दौसा थे।

अध्ययन के लिये प्रयुक्त उपकरण

लिकर्ट की अभिवृत्ति मापनी के सोपानों का अनुसरण करते हुए माध्यमिक विद्यालयों की प्रधानाध्यापिकाओं एवम् अध्यापिकाओं की निर्णय शैली का विद्यालय वातावरण पर प्रभाव के प्रति अभिवृत्ति जानने के लिए अभिवृत्ति मापनी की रचना की गई। अभिवृत्ति मापनी में अध्ययन के विभिन्न चरों पर आधारित उद्देश्यों को ध्यान में रखकर कथनों का निर्माण किया गया, कथनों की भाषा को सरल व बोधगम्य बनाया गया तथा कुल 75 कथनों को अभिवृत्ति मापनी में रखा गया है।

प्रस्तुत शोध अध्ययन में प्रयुक्त सांख्यिकी विधि

अभिवृत्ति मापनी से जो सूचनाएं प्राप्त होती है वे जटिल, असम्बद्ध तथा बिखरे रूप में होती है। उचित विवेचना करने के लिए सामग्री को सुसंगठित करना आवश्यक होता है। इसके लिए सांख्यिकीय प्रक्रिया प्रयोग करनी पडती है। ये सांख्यिकीय प्रक्रियाएं सारणी के व्यवस्थित वर्गीकरण एवं सामग्री के संकलन के पश्चात् ही निश्चित होती है।

इस अध्ययन में निम्नलिखित सांख्यिकी विधियों का प्रयोग किया हैः

(1) सहसम्बन्ध (2) टी–मान (3) क्रान्तिक अनुपात

सारणी 1

जयपुर संभाग के माध्यमिक विद्यालयों की अनुसूचित जाति–जनजाति वर्ग की प्रधानाध्यापिकाओं व अध्यापिकाओं की जनतांत्रिक व अधिकारिक निर्णय शैलियों का विद्यालय वातावरण पर प्रभाव के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन (प्रतिशत में)

(पोस्डकोर्ब POSDCORB **के संदर्भ में)**

क्र. सं.	एकांशों के उत्तर / विकल्प	पूर्ण सहमत		सहमत		अनिश्चित		असहमत		पूर्ण असहमत	
		जनतांत्रिक निर्णय शैली	अधिकारिक निर्णय शैली	जनतांत्रिक निर्णय शैली	अधिकारिक निर्णय शैली	जनतांत्रिक निर्णय शैली	अधिकारिक निर्णय शैली	जनतांत्रिक निर्णय शैली	अधिकारिक निर्णय शैली	जनतांत्रिक निर्णय शैली	अधिकारिक निर्णय शैली
1.	योजना सम्बन्धी निर्णय	36	48	24	16	12	10	20	16	08	10
2.	संगठन/व्यवस्था संबंधी निर्णय	34	32	24	16	22	26	18	14	02	12

3.	स्टॉफ संबंधी निर्णय	23	20	30	42	17	10	20	12	10	16
4.	निर्देशन सम्बन्धी निर्णय	25	24	34	38	15	14	18	16	08	08
5.	विभिन्न कार्यों में समन्वय स्थापित करने सम्बन्धी निर्णय	48	60	19	18	18	12	10	06	05	04
6.	प्रतिवेदन सम्बन्धी निर्णय	42	38	18	27	10	08	16	18	14	09
7	बजट (आय–व्यय ब्यौरा) सम्बन्धी निर्णय	22	19	35	30	16	21	17	23	10	07

सारणी 2

जयपुर संभाग के माध्यमिक विद्यालयों की अनुसूचित जाति–जनजाति वर्ग की प्रधानाध्यापिकाओं व अध्यापिकाओं की अहस्तक्षेपीय व मध्यवर्ती निर्णय शैलियों का विद्यालय वातावरण पर प्रभाव के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन (प्रतिशत में)

(पोस्डकोर्ब POSDCORB **के संदर्भ में)**

क्र.सं.	एकांशों के उत्तर / विकल्प	पूर्ण सहमत		सहमत		अनिश्चित		असहमत		पूर्ण असहमत	
		अहस्तक्षेपीय निर्णय शैली	मध्यवर्तीय निर्णय शैली	अहस्तक्षेपीय निर्णय शैली	मध्यवर्तीय निर्णय शैली	अहस्तक्षेपीय निर्णय शैली	मध्यवर्तीय निर्णय शैली	अहस्तक्षेपीय निर्णय शैली	मध्यवर्तीय निर्णय शैली	अहस्तक्षेपीय निर्णय शैली	मध्यवर्तीय निर्णय शैली
1.	योजना सम्बन्धी निर्णय	24	54	38	29	08	13	16	04	14	00
2.	संगठन/व्यवस्था संबंधी निर्णय	30	59	28	25	18	09	08	07	16	00
3.	स्टॉफ संबंधी निर्णय	14	51	40	22	20	16	16	11	10	00
4.	निर्देशन सम्बन्धी निर्णय	14	48	30	36	20	07	24	09	12	00
5.	विभिन्न कार्यों में समन्वय स्थापित करने सम्बन्धी निर्णय	30	53	20	34	24	10	14	03	12	00
6.	प्रतिवेदन सम्बन्धी निर्णय	41	57	21	26	11	12	18	05	09	00
7	बजट (आय–व्यय ब्यौरा) सम्बन्धी निर्णय	35	55	18	24	20	08	13	13	14	00

सारणी 3

जयपुर संभाग के माध्यमिक विद्यालयों की अनुसूचित जाति–जनजाति वर्ग की प्रधानाध्यापिकाओं व अध्यापिकाओं की छद्म जनतांत्रिक निर्णय शैली का विद्यालय वातावरण पर प्रभाव के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन (प्रतिशत में)

(पोस्डकोर्ब POSDCORB **के संदर्भ में)**

क्र. सं.	एकांशों के उत्तर / विकल्प	पूर्ण सहमत	सहमत	अनिश्चित	असहमत	पूर्ण असहमत
1.	योजना सम्बन्धी निर्णय	47	36	10	07	00
2.	संगठन/व्यवस्था संबंधी निर्णय	40	34	21	05	00
3.	स्टॉफ संबंधी निर्णय	39	45	07	09	00
4.	निर्देशन सम्बन्धी निर्णय	25	51	19	05	00
5.	विभिन्न कार्यों में समन्वय स्थापित करने सम्बन्धी निर्णय	48	23	17	12	00
6.	प्रतिवेदन सम्बन्धी निर्णय	24	54	15	07	00
7	बजट (आय–व्यय ब्यौरा) सम्बन्धी निर्णय	30	39	23	08	00

सारणी 4

समग्र सारणियों का विश्लेषण

जयपुर संभाग के माध्यमिक विद्यालयों की अनुसूचित जाति–जनजाति वर्ग की प्रधानाध्यापिकाओं व अध्यापिकाओं की विभिन्न निर्णय शैलियों का विद्यालय वातावरण पर प्रभाव के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन (प्रतिशत में)

क्र. सं.	अभिवृत्ति के रूप या विषय / विकल्प	पूर्ण सहमत	सहमत	अनिश्चित	असहमत	पूर्ण असहमत
1	जनतांत्रिक निर्णय शैली	33	26	16	17	08
2	अधिकारिक निर्णय शैली	34	26	15	15	10
3	अहस्तक्षेपीय निर्णय शैली	26	28	17	16	13
4	मध्यवर्तीय निर्णय शैली	54	28	11	07	00
5	छद्म जनतांत्रिक निर्णय शैली	36	40	16	08	00

अध्ययन के प्रमुख निष्कर्ष

- जयपुर संभाग की अनुसूचित जाति–जनजाति वर्ग की 59% प्रधानाध्यापिकाएं व अध्यापिकाएं जनतांत्रिक निर्णय शैली का विद्यालय वातावरण पर प्रभाव के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति रखती है।
- जयपुर संभाग की अनुसूचित जाति–जनजाति वर्ग की 60% प्रधानाध्यापिकाएं व अध्यापिकाएं अधिकारिक निर्णय शैली का विद्यालय वातावरण पर प्रभाव के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति रखती है।
- जयपुर संभाग की अनुसूचित जाति–जनजाति वर्ग की 54% प्रधानाध्यापिकाएं अध्यापिकाएं अहस्तक्षेपीय निर्णय शैली का विद्यालय वातावरण पर प्रभाव के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति रखती है।
- जयपुर संभाग की अनुसूचित जाति–जनजाति वर्ग की 82% प्रधानाध्यापिकाएं व अध्यापिकाएं मध्यवर्तीय निर्णय शैली का विद्यालय वातावरण पर प्रभाव के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति रखती है।
- जयपुर संभाग की अनुसूचित जाति–जनजाति वर्ग की 76% प्रधानाध्यापिकाएं व अध्यापिकाएं छद्म जनतांत्रिक निर्णय शैलीका विद्यालय वातावरण पर प्रभाव के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति रखती है।

अध्ययन की परिसीमाएँ

- प्रस्तुत अध्ययन जयपुर संभाग के राजकीय व गैर–राजकीय माध्यमिक विद्यालयों तक ही सीमित है।
- अध्ययन में सरकारी व गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों की 250 अनुसूचित जाति–जनजाति वर्ग की प्रधानाध्यापिकाओं एवं अध्यापिकाओं को ही सम्मिलित किया गया।
- प्रधानाध्यापिकाओं एवं अध्यापिकाओं का चयन यादृच्छिक न्यादर्श द्वारा किया गया।
- अध्ययन के आंकडों का विश्लेषण व व्याख्या सांख्यिकीय विधियों के आधार पर की गई।
- अभिवृत्ति मापनी की विश्वसनीयता अर्द्ध–विच्छेदन विधि द्वारा ज्ञात की गई।
- परीक्षण की वैधता तार्किक रूप तथा विषय वस्तु वैधता विधि द्वारा ज्ञात की गई।
- अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण (अभिवृत्ति मापनी) स्वनिर्मित है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

- A.R. Tyagi : Public Administration, Principals and Practice, Third Ed., Atman Ram & Sons, Lucknow, 1996.
- Buch, M.B. : Third Surgery of Research in Education, 1978-1983, Nationan Council of Educational Research and Training.
- Chester Barnard I. : The Functions of the Executive, Harvard University Press, Cambridge, 1954.
- Hampton, David R. : Modern Managements Ideas and Issues, Prentice Hall of India Pvt. Ltd., New Delhi, 1976.

- Joyce M. Hawkins : Oxford University Dictionary, Oxford University Pres, London, Glasgow, New York, Toronto, 1981.
- Sharma, R.A. : Advanced Statistics in Education and Psychology, R. Lal Book Depot, Meerut, 1998.
- Computer's Website ' - http/www.search.sify.con/fsindex.php.
- कोठारी शिक्षा आयोग की रिपोर्ट (1964–66), शिक्षा और राष्ट्रीय विकास शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रकाशित, दिल्ली, प्रथम संस्करण अंग्रेजी 1966 एवं प्रथम संस्करण हिन्दी 1968
- मलहोत्रा, पी.एल. पारख एवं मिश्र : भारत में विद्यालयी शिक्षा, नई दिल्ली, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं परिक्षण परिषद्, 1986
- वर्मा, डॉ. प्रीति एवं श्रीवास्तव, डॉ. डी.एन. : मनोविज्ञान और शिक्षा में सांख्यिकी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 1996
- ''परिप्रेक्ष्य'', शैक्षिक योजना और प्रशासन का सामाजिक आर्थिक संदर्भ वर्ष – 10 अंक 1 अप्रेल 2003, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली
- 'शिविरा पत्रिका बीकानेर', माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, राजस्थान (मासिक शैक्षिक पत्रिका), दिसम्बर, 1998

♦❐♦